सीएसआईआर-सीरी में राष्ट्र के 79वें स्वतंत्रता दिवस का भव्य आयोजन

सीएसआईआर-सीरी में 15 अगस्त, 2025 को राष्ट्र का 79वाँ स्वतंत्रता दिवस समारोह भव्य रूप से आयोजित किया गया। संस्थान के प्रांगण में आयोजित समारोह में संस्थान के निदेशक डॉ पी सी पंचारिया मुख्य अतिथि तथा श्रीमती सीमा पंचारिया विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थीं। संस्थान के प्रशासन नियंत्रक श्री मधुरंजन पाण्डेय ने **मुख्य अतिथि** तथा श्रीमती मोनाली पाण्डेय ने **विशिष्ट अतिथि** श्रीमती सीमा पंचारिया को को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया। अन्य वरिष्ठ वैज्ञानिकों एवं अधिकारियों ने भी डॉ पंचारिया का स्वागत किया। इस अवसर पर संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिकों व अधिकारियों, संस्थान के सहकर्मियों सहित उनके परिजन आदि उपस्थित थे।

स्वतंत्रता दिवस समारोह में ध्वज फहराते हुए
डॉ पी सी पंचारिया, निदेशक, सीएसआईआर-सीरी

संस्थान के निदेशक डॉ पी सी पंचारिया ने राष्ट्र ध्वज फहरा कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके बाद सभी उपस्थित अतिथियों, अधिकारियों आदि ने **राष्ट्र गान** गाया। इसके बाद मुख्य अतिथि डॉ पी सी पंचारिया, श्रीमती सीमा पंचारिया सहित संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिकों/अधिकारियों ने माँ भारती के चित्र पर पुष्प अर्पित कर राष्ट्र के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त की।

माँ भारती के चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए डॉ पी सी पंचारिया, निदेशक, सीएसआईआर-सीरी तथा श्रीमती सीमा पंचारिया जी

अपने स्वतंत्रता दिवस संबोधन में डॉ पी सी पंचारिया ने उपस्थित अधिकारियों व अन्य सहकर्मियों सहित संस्थान के सभी सहकर्मियों, उनके परिजनों को राष्ट्र के 79वें स्वतंत्रता दिवस की बधाई दी। उन्होंने देश की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों को आहूत करने वाले अमर क्रांतिकारियों के बलिदान को याद करते हुए उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

79वें स्वतंत्रता दिवस समारोह में उपस्थित जनसमुदाय को शुभकामना देते हुए डॉ पी सी पंचारिया, निदेशक, सीएसआईआर-सीरी

डॉ पंचारिया ने देश के स्वातंत्र्य संग्राम इतिहास के पृष्ठ उलटते हुए उपस्थित जन समुदाय के समक्ष स्वतंत्रता आंदोलन की प्रमुख घटनाओं का उल्लेख किया। अपने स्वतंत्रता दिवस संबोधन में उन्होंने बताया कि देश की स्वाधीनता के लिए प्रथम आंदोलन वर्ष 1857 की क्रांति के साथ आरंभ हुआ। उन्होंने इस अवसर पर उपस्थित सहकर्मियों एवं उनके परिजनों से आह्वान किया कि वे सभी क्रांतिकारी वीरों की गाथाएँ बच्चों एवं आने वाली पीढ़ी को अवश्य बताएँ। उन्होंने देश की विकास यात्रा में सभी को अपना योगदान देने का भी आग्रह किया। अंत में डॉ पंचारिया ने संस्थान में चल रही नवीन वैज्ञानिक परियोजनाओं की भी संक्षिप्त जानकारी दी।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सहकर्मी एवं अन्य दर्शकगण

संस्थान के मुख्य लॉन में आयोजित स्वाधीनता दिवस समारोह का संचालन करते हुए श्री रमेश बौरा, वरिष्ठ हिंदी अधिकारी ने सभी उपस्थित सहकर्मियों एवं उनके परिजनों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने बताया कि पूरे देश में स्वतंत्रता दिवस की 78वीं वर्षगाँठ धूमधाम से मनाई जा रही है और मुख्य समारोह देश की राजधानी में आयोजित किया जा रहा है।

समारोह के अंत में डॉ पी सी पंचारिया एवं अन्य अधिकारियों ने परंपरागत रूप से आकाश में रंग-बिरंगे गुब्बारे छोड़े तथा उपस्थित बच्चों एवं अन्य लोगों को टॉफियाँ वितरित कीं। इसके अतिरिक्त कार्यक्रम देखने आए दर्शकों को मिठाई भी वितरित की गई।

समारोह के बाद रंग-बिरंगे गुब्बारे छोड़ते हुए निदेशक एवं अन्य अतिथि

विगत वर्षों की भाँति संस्थान के जयपुर परिसर में भी स्वाधीनता दिवस सादे किंतु गरिमामयी रूप से आयोजित किया गया। जयपुर परिसर के प्रभारी वैज्ञानिक **श्री साईं कृष्णा वड्डादि** ने परिसर के सहकर्मियों के समक्ष ध्वज फहराया और सहकर्मियों को 79वें स्वतंत्रता दिवस की शुभकामना दी।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर संस्थान के जयपुर परिसर के सहकर्मियों के साथ प्रभारी वैज्ञानिक श्री साईं कृष्णा वड्डादि

हर घर तिरंगा अभियान

भारत सरकार तथा सीएसआईआर मुख्यालय के दिशानिर्देशों के अनुपालन में संस्था न के सभी अधिकारियों/

कर्मचारियों को अपने-अपने घरों में लगाने/लहराने के लिए तिरंगा भी भेंट किया गया। सभी नागरिकों में राष्ट्र ध्वज के प्रति सम्मान बढ़ाने के लिए आरंभ किए गए इस अभियान में सहकर्मी उत्साह पूर्वक शामिल हुए और उन्होंने ध्वज अपने-अपने आवासों पर लगाए। तिरंगा-वितरण कार्यक्रम का समन्वयन सीरी स्टाफ क्लब ने किया।

श्री मधुरंजन पाण्डेय, प्रशासन नियंत्रक ने स्वतंत्रता दिवस के संपूर्ण कार्यक्रम को गरिमामयी रूप से आयोजित करने के लिए संस्थान के सभी सहकर्मियों को धन्यवाद दिया। इस प्रकार सीएसआईआर-सीरी में **79वाँ स्वतंत्रता दिवस** धूमधाम से मनाया गया।

<u>कार्यक्रम के कुछ अन्य चित्र</u>

“आज का दिन उन असंख्य आजादी के दीवानों को नमन करने का है, जिन्होंने अपने प्राणों की आहुति देकर हमें स्वतंत्र भारत का आशीर्वाद दिया।”

-श्री नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री, भारत